

आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल ने नकल पकड़े जाने पर मांगी थी माफी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे ने परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने के बाद संस्थान को लिखित माफी दी थी। पुलिस के अनुसार, साहिल ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा था कि उसने परीक्षा की अच्छी तैयारी नहीं की थी। उसने दूसरा मौका देने की अपील भी की थी।

22 वर्षीय साहिल ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र था। 18 सितंबर को मध्यावधि परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन से नकल करते पकड़े जाने के कुछ घंटे बाद वह छात्रावास के कमरे में मृत मिला था। मुंबई अपराध शाखा

मामले की जांच कर रही है। अब तक आईआईटी बॉम्बे के निदेशक शिरीष केदारे, प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला सहित 40 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस परीक्षा कक्ष, परिसर और छात्रावास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। फुटेज में साहिल को परीक्षा के दौरान मोबाइल देखते और बाद में मोबाइल तथा उत्तर पुस्तिका प्रोफेसर को सौंपकर बाहर जाते देखा गया।

साहिल के पिता रवींद्र ने आरोप लगाया कि उनके बेटे ने संस्थान में बार-बार जातिगत भेदभाव और प्रताड़ना की शिकायत की थी। उन्होंने प्रोफेसर दुल्ला पर भी उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं।

भाजपा महिला सांसदों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात, कांग्रेस सांसद पर कार्रवाई की मांग

जेएनयू की 11 छात्राओं की शिकायतों का मामला उठाया, शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 11 छात्राओं की ओर से यौन उत्पीड़न की शिकायतों के मामले में भाजपा की महिला सांसदों ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस सांसद आंगोमचा बिमोल आकोइजाम को लोकसभा से निलंबित करने और शिकायतकर्ता महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सांसद डी. पुरंदेश्वरी ने किया। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूप



कुमारी चौधरी के अनुसार, राष्ट्रपति ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय ने 9 अक्टूबर को आकोइजाम को

प्रोफेसर पद से बर्खास्त कर दिया था। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय की आंतरिक समिति की जांच के निष्कर्षों के आधार पर की गई। मामले में 11 छात्राओं की

शिकायतों का उल्लेख किया गया है। आकोइजाम ने वर्ष 2023 में मणिपुर हिंसा के बाद सक्रिय राजनीति में कदम रखा था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में

उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर इनर मणिपुर सीट से चुनाव लड़ा और भाजपा उम्मीदवार को एक लाख से अधिक मतों से हराकर सांसद बने। भाजपा के महिला

प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग दोहराई।

फ्रांस के 480 से ज्यादा सुपरमार्केट पर साइबर हमला, फ्रिज 50 डिग्री तक गर्म

» डीफ्रॉस्टिंग मोड में डाले गए रेफ्रिजरेशन सिस्टम, ताजा और जमे हुए खाद्य पदार्थ खराब; कई दुकानों में लगी आग

पेरिस, एजेंसी: फ्रांस में सोमवार को सैकड़ों सुपरमार्केट के रेफ्रिजरेशन सिस्टम पर साइबर हमला हुआ। इसके कारण 480 से अधिक दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हैकरों ने कई दुकानों के शीतलन सिस्टम को डीफ्रॉस्टिंग मोड में डाल दिया, जिससे ताजा और जमे हुए खाद्य पदार्थ खराब हो गए। कई दुकानों में आग लगने की भी खबर है।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसी को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। फ्रांस अन्य यूरोपीय देशों के साथ मिलकर यह भी पता लगा रहा है कि कहीं दूसरी कंपनियां भी इस हमले से प्रभावित तो नहीं हुई हैं।



पेरिस अधिभोजन कार्यालय ने इसे बड़े स्तर का हमला बताया है। इसके तहत कई बड़े खाद्य खुदरा कारोबारियों के इंटरनेट से जुड़े फ्रिजों को निशाना बनाया गया। सुपरमार्केट के फ्रिज और फ्रीजर को नियंत्रित करने वाले पैनल इंटरनेट से जुड़े होते हैं। इनके माध्यम से रखरखाव करने वाली कंपनियां दूर से ही तापमान और अन्य सेटिंग बदल सकती हैं। हैकर सुरक्षा संबंधी कमजोरी का फायदा उठाकर इन प्रणालियों

तक पहुंच सकते हैं और ठंडक कम कर सकते हैं या डीफ्रॉस्टिंग प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, फ्रांस की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने डैनमार्क की कंपनी डैनफॉस के सॉफ्टवेयर में कमजोरी की पहचान की है। कंपनी ने कहा कि उसे फ्रांस में रेफ्रिजरेशन सिस्टम से जुड़ी घटनाओं की जानकारी है और प्रभावित प्रणालियों में सॉफ्टवेयर का

पुराना संस्करण इस्तेमाल किया जा रहा था। कंपनी ग्राहकों को सॉफ्टवेयर अपडेट रखने की सलाह देती रही है।

फ्रांस के खुदरा कारोबार से जुड़े संगठन ने डैनफॉस से मामले की पूरी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। साइबर सुरक्षा कंपनी क्लैरोटी ने भी नौ अगस्त को डैनफॉस के सिस्टम की कुछ कमजोरियों पर रिपोर्ट जारी की थी। हमले से हुए कुल नुकसान का आकलन अभी

सामने नहीं आया है। खुदरा कंपनी इंटरमार्शे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थियेरी कोटियार ने एक दिन में कई करोड़ यूरो के नुकसान की आशंका जताई। प्रभावित दुकानों को खराब हुए ताजा और जमे हुए खाद्य पदार्थ फेंकने पड़ सकते हैं। कोऑपरेटिव यू के प्रमुख डोमिनिक शेल्शर ने बताया कि उनकी कंपनी के रेफ्रिजरेशन सिस्टम में रविवार रात से ही समस्याएं आ रही थीं।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने अड़े आशुतोष रांका व सौरव दास को हिरासत में लिया

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को जंतर-मंतर से हिरासत में ले लिया। दोनों समर्थकों के साथ वहां पहुंचे थे और नारेबाजी कर रहे थे। पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन कर रही है रांका ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन



जारी रहेगा। केंद्र सरकार ने सोमवार को जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची

से हटा दिया था। इसके बावजूद पार्टी ने आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

सुनवाई 15 तक टली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन से पहले मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 15 अक्टूबर तक टाल दी है। मंगलवार को कोर्ट ने बताया कि सुनवाई करने वाली पीठ के न्यायाधिवीर्ति, मोहना की तथ्यगत खराब होने के कारण यह फैसला लिया गया। सौलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। उन्होंने कहा कि हलफनामा तैयार है, लेकिन उसमें कुछ और जानकारी जोड़ी जानी है। कोर्ट ने समय बढ़ाते हुए केंद्र को हलफनामा याचिकाकर्ताओं के वकील को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रदर्शन के दौरान सात हजार लोगों को हिरासत में लिया गया था और 45 मेट्रो स्टेशन बंद हुए थे।

रोबोट ने की किशोरी से अभद्रता कंगना रनोट ने जताई चिंता

नईदुनिया ब्यूरो, कोलोन: अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े संभावित अपराधों पर चिंता जताई है। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जर्मनी में एक रोबोट पर किशोरी के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप से जुड़ी खबर साझा की। कंगना ने सवाल उठाया कि जब एआई से बिना डर के अपराध होने लगेंगे, तब दुनिया कैसी होगी और खासकर कमजोर लोगों की सुरक्षा कैसे होगी। कंगना ने लिखा कि एआई अभी पूरी तरह विकसित भी नहीं हुआ है, लेकिन इससे जुड़े अपराधों की खबरें सामने आने लगी हैं। उन्होंने कहा कि कई बार अपराधी पकड़े जाने के डर या अपराध को अंजाम देने में आने

वाली बाधाओं के कारण पीछे हट जाते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि ऐसी रुकावटें समाप्त हो गईं, तो कमजोर और असहाय लोगों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यह मामला जर्मनी के कोलोन शहर का है। आरोप है कि रविवार को होहेनजोल्लरिंग सड़क पर एक रोबोट ने 16 वर्षीय लड़की को पीछे से धूँकर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। उस समय लड़की अपने दोस्तों के साथ एक फास्ट फूड रेस्तरां के बाहर खड़ी थी। घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग और सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किए जाने की बात भी सामने आई है। संदिग्धों के पास एक कोक्सवैगन कार की डिव्की में रोबोट मिला, जिसे जब्त कर लिया गया।

कूटनीति

जेलेंस्की से ज्यादा पुतिन चाहते हैं शांति समझौता: ट्रम्प

वॉशिंगटन, एजेंसी:अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की तुलना में शांति समझौता करने के लिए अधिक इच्छुक हैं। यह बयान रूस और यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सीजफायर के उनके दावे के दो दिन बाद आया है। यूक्रेन ने आरोप लगाया कि रूस ने उसके छह ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए, जिनमें 33 लोग घायल हुए। अलग-अलग हमलों में आठ यूक्रेनी नागरिकों की मौत भी हुई।

ट्रम्प ने 11 अक्टूबर को ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए दोनों देशों के सहमत होने का दावा किया था। सोमवार को पत्रकारों ने

उन्से पूछा कि रूस और यूक्रेन ने इस सहमति से इनकार किया है। इस पर ट्रम्प ने कहा कि दोनों देश सहमत हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसा कहा था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि रूस ने सीजफायर तोड़ा है या नहीं। ट्रम्प ने दावा किया कि इस महीने युद्ध में 32 हजार लोग मारे गए हैं, लेकिन इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस की ओर से ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रस्ताव के तहत हमले रोकने के लिए तैयार है, लेकिन रूस को भी ऐसा करना होगा। वारसा सिन्धोरिटि कॉन्फ्रेंस में



जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि यदि रूस ने हमले नहीं रोके, तो यूक्रेन भी जवाबी कार्रवाई करेगा। रूस ने ऊर्जा सीजफायर लागू होने की

पुष्टि नहीं की है। क्रैमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कुछ समय के लिए लड़ाई रोकने के बजाय लंबे समय तक

कायम रहने वाली शांति चाहता है। उन्होंने बताया कि पुतिन यूक्रेन में चुनाव के दिन रूसी सेना को गोलीबारी रोकने का आदेश देंगे।

हालांकि, उन्होंने स्थायी शांति के लिए रूस की शर्तें स्पष्ट नहीं कीं। इस बीच, रूस ने यूक्रेन के कई इलाकों में हमले किए। कोव में 25 मॉजिला इमारत पर हमले में दो लोगों की मौत और नौ लोग घायल हुए। खार्किव में गोलाबारी से एक अपार्टमेंट का प्रवेश द्वार ढह गया और पांच लोग घायल हुए। अन्य हमलों में भी कई नागरिकों की मौत हुई। रूस और यूक्रेन एक-दूसरे के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। ऊर्जा ठिकानों पर हमलों से बिजली आपूर्ति और ईंधन उत्पादन प्रभावित होता है। अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत पर सहमति स्पष्ट नहीं है।

ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पर मस्क मेहरबान

वॉशिंगटन, एजेंसी: दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति इलॉन मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को मध्यावधि चुनाव में जिताने के लिए बड़ी रकम खर्च कर रहे हैं। जुलाई से सितंबर के बीच तीन महीनों में उन्होंने पार्टी को 27.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 2,600 करोड़ रुपये का चंदा दिया। यह मध्यावधि चुनाव के इतिहास में किसी एक व्यक्ति की ओर से दिया गया सबसे बड़ा योगदान बताया गया है।

मस्क ने 2025-26 में अब तक

रिपब्लिकन पार्टी को करीब 36.6 करोड़ डॉलर दिए हैं। यह 2023-24 के चुनावी दौर में उनके करीब 29 करोड़ डॉलर के योगदान से अधिक है। उनकी आर्थिक मदद से रिपब्लिकन पार्टी को चुनाव प्रचार में बहुत मिली है। मई 2025 में मस्क ने राजनीतिक खर्च घटाने की बात कही थी, लेकिन अब उनका योगदान बढ़ा है।

मस्क के राजनीतिक संगठन अमेरिका पीएसी के माध्यम से रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया जा रहा है। संगठन के करीब 3,000 लोग घर-घर



जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। संगठन के प्रवक्ता एंड्रयू रोमियो ने कहा कि मस्क के निवेश से पार्टी को अपना पक्ष मतदाताओं तक पहुंचाने का अवसर मिला है।

टेक्सास के सोनेट चुनाव में भी मस्क बड़ा दांव लगा रहे हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैम्स्टन के समर्थन में करीब 1,500 करोड़ रुपये के विज्ञापन अभियान की शुरुआत हुई है। टेक्सास मस्क के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे राज्य की राजधानी

ऑस्टिन में रहते हैं और वहां उनका बड़ा कारोबारी निवेश है। उनकी कंपनी स्पेसएक्स का मुख्यालय भी टेक्सास में है।

मस्क का संगठन अपने विज्ञापनों में ट्रांसजेंडर और समाजवाद जैसे मुद्दों को उठा रहा है। प्रचार अभियान में मतदाताओं को चेताया जा रहा है कि मतदान नहीं करने से डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को फायदा मिल सकता है।

पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मस्क ट्रम्प के समर्थन में खुलकर प्रचार कर रहे थे।

अजरबैजान के स्कूलों में हिजाब बैन

बाकू, एजेंसी: अजरबैजान में स्कूलों के ड्रेस कोड में बदलाव के बाद हिजाब पहनने को लेकर विवाद बढ़ गया है। सरकार के नए नियमों के तहत ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई है, जिन्हें धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था के खिलाफ माना जाता है। इसके बाद हिजाब पहनकर स्कूल पहुंचीं कुछ छात्राओं और शिक्षकों को कक्षाओं में जाने से रोक दिया गया। फैसले के विरोध में छात्राओं ने कक्षाओं का बहिष्कार कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

अजरबैजान की लगभग 96 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। इनमें ज्यादातर शिया मुस्लिम हैं, जबकि सुन्नी मुस्लिम भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इसके बावजूद देश का संविधान अजरबैजान को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित करता है और नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है।

सरकार का कहना है कि स्कूलों में सभी विद्यार्थियों के लिए एक समान ड्रेस कोड होना चाहिए। नए नियमों में हिजाब का सीधे उल्लेख

नहीं किया गया है, लेकिन धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था के विपरीत माने जाने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगाया गया है। राष्ट्रीय परंपराओं से जुड़े विशेष परिधान खास अवसरों पर स्कूल समिति की अनुमति से पहने जा सकते हैं। विरोध कर रही छात्राओं का कहना है कि हिजाब पहनना उनकी धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत पसंद से जुड़ा विषय है। इस मुद्दे पर विरोध पड़ोसी देश तुर्किये तक भी पहुंच गया है।

